Regarding alleged irregularities in recently conducted SSC examination.-laid

श्री राहुल कस्वां (चुरू) **:** मैं भारत सरकार का ध्यान हालिया SSC परीक्षाओं में हुई भारी अनियमितताओं की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ । देशभर से लाखों अभ्यर्थियों ने इन परीक्षाओं में भाग लिया, लेकिन उन्हें गंभीर अव्यवस्था, असमानता और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा । परीक्षा आयोजन में बार-बार देरी, उत्तर कुंजी में त्रुटियाँ, परिणामों में पारदर्शिता की कमी और छात्रों की शिकायतों की उपेक्षा?इन सभी कारणों से युवाओं का भरोसा परीक्षा प्रणाली पर से उठ रहा है । विशेष चिंता का विषय यह है कि कई अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर रात 10 बजे तक रोका गया, जो उनकी सुरक्षा, गरिमा और मानसिक स्थिति पर सीधा हमला है । इतना ही नहीं, जब अभ्यर्थियों व शिक्षकों ने इन मुद्दों को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया, तो उन पर पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई की गई और उनके साथ अपराधियों की तरह व्यवहार किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के बिल्कुल विपरीत है । यह केवल परीक्षा की तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि युवाओं के आत्म-सम्मान और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है । अतः मेरी मांग है कि सरकार इस पूरे मामले की स्वतंत्र तकनीकी जांच करवाए, निजी एजेंसियों की भूमिका की समीक्षा करे, जिम्मेदारों पर कार्रवाई करे और भविष्य में पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के लिये आवश्यक कदम उठाए ।